Rashtriya Sahara/25.1.17 P.2

साहित्य अकादमी का साहित्योत्सव 28 से

नई दिल्ली (एसएनबी)। साहित्य अकादमी द्वारा 28 जनवरी से आयोजित किया जाने वाला 'साहित्योत्सव' राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150वीं जयंती पर केन्द्रित होगा। इसी कारण 'भारतीय साहित्य में गांधी' विषय पर पहली बार तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन भी किया जाएगा। साथ ही साहित्योत्सव में पहली बार ट्रांसजेंडर कवियों और आदिवासी महिला लेखिकाओं पर भी सम्मलेन आयोजित किया जाएगा। यह जानकारी बृहस्पतिवार को आयोजित संवाददाता सम्मेलन में अकादमी के सचिव के. श्रीनिवास राव ने दी।

उन्होंने बताया कि सोमवार से सात दिन तक चलने वाले साहित्योत्सव का उद्घाटन प्रख्यात शिक्षाविद् एवं राज्यसभा के पूर्व मनोनीत सदस्य मृणाल मिरी पुस्तक प्रदर्शनी का शुभारम्भ कर करेंगे। प्रदर्शनी में अकादमी द्वारा पिछले वर्ष प्रकाशित करीब 500 पुस्तकों के अलावा पिछले एक वर्ष में आयोजित कार्यक्रमों को तस्वीरों के माध्यम से प्रदर्शित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि साहित्योत्सव में महात्मा गांधी पर एक विशेष कॉर्नर बनाया गया है जिसमें गांधी जी पर विभिन्न भाषाओं में लिखी करीब 700 किताबें प्रदर्शित की जाएंगी। इसमें स्वंय गांधी जी द्वारा लिखित और अन्य लोगों द्वारा लिखित पुस्तकें भी शामिल होंगी। उन्होंने बताया कि भारतीय साहित्य में गांधी विषय पर तीन दिवसीय संगोष्ठी का उद्घाटन अंग्रेजी के सुप्रसिद्ध कवि जयंत महापात्रा करेंगे और मॉरीशस के पूर्व शिक्षा मंत्री एवं प्रसिद्ध गांधीवादी अरमुगम परसुरामन विशिष्ट अतिथि होंगे जो यूनेस्को के निदेशक भी रह चुके हैं। प्रसिद्ध इतिहासकार सुधीर चन्द्र बीज वक्तव्य देंगे।

साहित्योत्सव में पहली बार 'ट्रांसजेंडर कवि सम्मेलन'

महात्मा गाँधी के 150वें जन्म वर्ष के उपलक्ष्य में साहित्योत्सव में एक विशेष कॉर्नर

संगोष्ठी में दस सत्रों में गांधी जी के समग्र पहलुओं पर विचार विमर्श होगा जिसमें उनकी पत्रकारिता से लेकर विश्व दृष्टि और उनका साहित्य, अर्थशास्त्र, दलित आन्दोलन आदि पर विषय पर विभिन्न विद्वान अपने-अपने विचार व्यक्त करेंगे। दो दिवसीय आदिवासी महिला लेखिका सम्मलेन में 36 भाषाओं की 43 लेखिकाएं इसमें शिरकत करेंगी। पहली बार साहित्योत्सव में ट्रांसजेंडर कवियों को शामिल किया जा रहा है, जिनमें 15 कवि होंगे और कोलकाता की एक कॉलेज के प्राचार्य मानवी बंद्योपाध्याय इसका उद्घाटन करेंगी जो खुद एक चर्चित ट्रांसजेंडर कवि है।

श्रीराव ने बताया कि 28 जनवरी को शाम में भाषा सम्मान तथा 29 जनवरी को साहित्य अकादमी पुरस्कार दिए जायेंगे। पुरस्कार समारोह के विशिष्ट अतिथि श्रीलंका के लेखक संतान अय्यातुरै होंगे जिन्हें इस बार प्रेमचंद फेलोशिप दी गयी है। इस बार संवत्सर साहित्य अकादमी के पूर्व अध्यक्ष गोपी चंद नारंग 'फैज अहमद फैज' पर व्याख्यान देंगे। साहित्योत्सव में देश के कोने-कोने से विभिन्न भाषाओं का प्रतिनिधित्व करने वाले लगभग 250 लेखक और विद्वान विविध कार्यक्रमों में भागीदारी करेंगे।

28 जनवरी से 2 फरवरी तक साहित्योत्सव का आयोजन

वैभव न्यूज ■ नई दिल्ली

हर वर्ष की तरह से बार भी साहित्य अकादेमी अपने वार्षिक साहित्योत्सव का आयोजन करने जा रही है। 28 जनवरी से 2 फरवरी के बीच इस छह दिवसीय साहित्योत्यव का आयोजन किया जाएगा। उत्सव का आरंभ अकादेमी की वर्षभर की गतिविधियों को प्रदर्शित करनेवाली प्रदर्शनी से होगा, रवींद्र भवन परिसर में जिसका उद्घाटन शिक्षाविद् और पूर्व राज्य सभा संसद मृणाल मिरी करेंगे। गुरुवार को साहित्योत्सव के बारे में अधिक जानकारी देते हुए साहित्य अकादेमी के सचिव, के. श्रीनिवासराव ने बताया कि महात्मा गांधी के 150वें जन्म वर्ष के उपलक्ष्य में साहित्योत्सव में एक विशेष कॉर्नर बनाया गया है, जिसमें महात्मा गांधी द्वारा लिखित और उन पर लिखी गई लगभग 700 पुस्तकें भी प्रदर्शित की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि इस बार साहित्योत्सव में पहली बार दो दिवसीय आदिवासी महिला लेखिका सम्मिलन आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन प्रख्यात हिंदी लेखिका रमणिका गुप्ता करेंगी। इस कार्यक्रम में देश के विभिन्न भागों की 36 आदिवासी भाषाओं की 43 आदिवासी लेखिकाएं शिरकत करेंगी। वहीं, 29 जनवरी को 24 भारतीय भाषाओं के रचनाकारों को उनकी श्रेष्ठ कृतियों के लिए साहित्य अकादेमी के अध्यक्ष द्वारा पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। प्रख्यात ओड़िया लेखक और साहित्य अकादेमी के महत्तर सदस्य मनोज दास समारोह के मुख्य अतिथि होंगे।

खबरों में शहर

साहित्य अकादेमी का साहित्योत्सव 28 से

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 24 जनवरी।

साहित्य अकादेमी अपने वार्षिक साहित्योत्सव का आयोजन 28 जनवरी से 2 फरवरी तक करेगी। अकादेमी के सचिव के श्रीनिवासराव ने बताया कि उत्सव की शुरुआत अकादेमी की सालभर की गतिविधियों की प्रदर्शनी से होगी। रवींद्र भवन परिसर में लगने वाली प्रदर्शनी का उद्घाटन 28 जनवरी को पद्म भूषण सम्मान प्राप्त लेखक, दार्शनिक, शिक्षाविद् व राज्यसभा के पूर्व सांसद मृणाल मिरी करेंगे। महात्मा गांधी के 150वें जन्म वर्ष के उपलक्ष्य में साहित्योत्सव में एक विशेष कोना बनाया जाएगा, जिसमें महात्मा गांधी द्वारा लिखित और उन पर लिखी गईं लगभग 700 पुस्तकें प्रदर्शित की जाएंगी।

हिंदी के लिए चित्रा मुद्गल, उर्दू के लिए रहमान अब्बास पुरस्कृत

नई दिल्ली, 29 जनवरी (देशबन्धु)। साहित्य अकादेमी द्वारा आयोजित किए जा रहे साहित्योत्सव का आज दूसरा दिन था। आज का मुख्य आकर्षण साहित्य अकादेमी पुरस्कार 2018 के विजेताओं को पुरस्कृत किया जाना था। यह पुरस्कार अर्पण समारोह कमानी सभागार में आयोजित किया गया। प्रख्यात ओड़िया लेखक और साहित्य अकादेमी के महत्तर सदस्य मनोज दास समारोह के मुख्य अतिथि थे तथा प्रख्यात श्रीलंकाई लेखक और साहित्य अकादेमी के प्रेमचंद फ़ेलोशिप से सम्मानित सांतन अय्यातुरै समारोह के विशिष्ट अतिथि।

ये पुरस्कार साहित्य अकादेमी के अध्यक्ष चंद्रशेखर कंबार द्वारा प्रदान किए गए। पुरस्कृत लेखक थे सनन्त तांति, (असमिया), संजीव चट्टोपाध्याय (बाङ्ला), रितुराज बसुमतारी (बोडो), इन्दरजीत केसर (डोगरी), शरीफा विजलीवाला (गुजराती), चित्रा मुद्गल (हिंदी), के.जी. नागराजप्प (कन्नड), मुश्ताक अहमद मुश्ताक (कश्मीरी), परेश नरेंद्र कामत (कोंकणी), वीणा ठाकुर (मैथिली), एम. रमेशन नायर (मलयालम), बुधिचंद्र हैस्नांबा (मणिपुरी), मधुकर सुदाम पाटील (मराठी), लोकनाथ उपाध्याय चापागाईं (नेपाली), मोहनजीत सिंह (पंजाबी), राजेश कुमार व्यास (राजस्थानी), रमाकांत शुक्ल (संस्कृत), श्याम बेसरा (संताली), खीमन यू. मूलाणी (सिंधी), एस. रामकृष्णन (तमिल), कोलकलूरि इनाक (तेलुगु) एवं रहमान अब्बास (उर्दू)। आज के समारोह में अंग्रेजी एवं ओड़िया के पुरस्कृत लेखकों को छोड़कर सभी रचनाकारों को साहित्य अकादेमी के अध्यक्ष द्वारा सम्मानित किया गया। सम्मान में ताम्रफलक और एक लाख रुपये की राशि का चेक भेंट किया गया।

अंग्रेजी एवं ओड़िया के लेखक अस्वस्थ्यता के कारण यह सम्मान ग्रहण नहीं कर सके। अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में साहित्य के अध्यक्ष चंद्रशेखर कंबार ने कहा कि साहित्य अकादेमी पुरस्कारों ने जो प्रतिष्ठा प्राप्त की है वो हमारी परंपराओं के प्रति वो निष्ठा है जो हमने वर्षों के परिश्रम से हासिल की है। भारत की सांस्कृतिक विविधता ही वह प्रेरक तत्व है जो हमें एक दूसरे के प्रति संवाद स्थापित करने का अवसर प्रदान करती है। भूमंडलीकरण के इस समय में भी हमारी भाषाई विविधता को बचाए रखने के लिए साहित्य की आवश्यकता और उसका सम्मान किया जाना जरूरी है। साहित्य अकादेमी ने इस विविधिता का सम्मान अनुवाद के जरिए भी किया है। साहित्य अकादेमी बेहतर अनुवादों के लिए भी जानी जाती है। हमारी पहचान अपनी जड़ों में जुड़े रहने में ही है और मैं भी इसी पहचान का सम्मान करता हूं।

पोस्ट बॉक्स नंबर 203 ट्रांस्जेंडर लोगों की पहचान से जुड़ी है : चित्रा मुद्गल

नई दिल्ली। हिंदी कृति के लिए पुरस्कृत लेखिका चित्रा मुद्गल ने कहा कि मेरी पुरस्कृत कृति पोस्ट बॉक्स नं. 203, नाला सोपारा एक अपराध बोध से उपजी है। यह रचना ट्रांसजेंडर लोगों की पहचान से जुड़ी हुई है। कुछ रचनाकारों की कुछ कृतियां उनके अपराध-बोध की संतानें होती हैं। मैं यह उपन्यास लिख लेने के बाद उस अपराध-बोध से मुक्त नहीं हो पाई हूं, जिससे मुक्त की कामना में मुझसे यह उपन्यास लिखवाया। हाशिए पर दलित और स्त्रियों को भी कुछ-न-कुछ अधिकार उपलब्ध हैं लेकिन 'ट्रांसजेंडर' लोगों को अभी भी हमने तिरस्कृत कर मानवीय रूप में जीने के अधिकार तक छीने हुए हैं।

सम्मान

साहित्य अकादमी की ओर से कमानी सभागार में आयोजित हुआ साहित्य अकादमी पुरस्कार अर्पण समारोह

साहित्योत्सव में अकादमी पुरस्कार विजेता सम्मानित

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : साहित्य अकादमी की ओर से आयोजित छह दिवसीय साहित्योत्सव के दूसरे दिन भी साहित्यिक और सांस्कृतिक गतिविधियों ने समां बांधा। उत्सव की शुरुआत अखिल भारतीय आदिवासी लेखिका सम्मेलन से हुई। विभिन्न सत्र में 'आदिवासी साहित्य की विशिष्टता', 'आदिवासी साहित्य : चुनौतियां और समाधान' व सतरूपा दत्ता मजूमदार साहा की अध्यक्षता में आयोजित कवि सम्मेलन ने लोगों को आदिवासी साहित्य से रू-ब-रू कराया।

कवि सम्मेलन में अनुराधा मुंडू, अन्ना माधुरी तिर्की, विश्वासी एक्का, प्रेस्का कुजूर, इंदुमती लमाणी, अविनाया थापा मनगर व क्रैरी मोग चौधुरी सरीखी कवयत्रियों ने अपना काव्य पाठ किया। वहीं, सुबह साढ़े 10 बजे से आयोजित 'पुरस्कार विजेताओं से मीडिया की बातचीत' सत्र में साहित्य अकादमी पुरस्कार-2018 के विजेता रचनाकारों ने अपनी पुरस्कृत कृति और लेखन यात्रा पर प्रकाश डाला। इस सत्र में लेखिका चित्रा मुद्गल (हिंदी), सनन्त तांति (असमिया), संजीव चट्टोपाध्याय (बांग्ला), शरीफा विजलीवाला (गुजराती), मुश्ताक अहमद मुश्ताक (कश्मीरी), वीणा ठाकुर (मैथिली), रमाकांत शुक्ल (संस्कृत) व रहमान अब्बास (उर्दू) समेत 21 भाषाओं के उपस्थित रचनाकार लोगों से मुखातिब हुए। सभी पुरस्कृत रचनाकारों को शाम साढ़े पांच बजे कमानी सभागार में सम्मानित किया गया। समारोह में बतौर मुख्य अतिथि साहित्य अकादमी के सदस्य मनोज दास व विशिष्ट अतिथि प्रख्यात श्रीलंकाई लेखक और साहित्य अकादमी के प्रेमचंद फेलोशिप से सम्मानित सांतन अय्यातुरै मौजूद रहे। साहित्य अकादमी के अध्यक्ष चंद्रशेखर कंबार ने विजेताओं को पुरस्कृत किया। अध्यक्षीय वक्तव्य में उन्होंने कहा कि साहित्य अकादमी पुरस्कारों ने जो प्रतिष्ठा प्राप्त की है, वह हमारी परंपराओं के प्रति वो निष्ठा है, जो हमने वर्षों के परिश्रम से हासिल की है। भारत की सांस्कृतिक विविधता ही वह प्रेरक तत्व है, जो हमें एक दूसरे के प्रति संवाद स्थापित करने का अवसर प्रदान करती है। भूमंडलीकरण के इस दौर में भी हमारी भाषाई विविधता को बचाए रखने के लिए साहित्य की आवश्यकता और उसका सम्मान किया जाना जरूरी है। दूसरे दिन कार्यक्रम की आखिरी प्रस्तुति मशहूर नृत्यांगना सोनल मानसिंह और समूह द्वारा नाट्य कथा मंचन कृष्णा रही।

कमानी सभागार में आयोजित कार्यक्रम में लेखिका चित्रा मुद्गल को सम्मानित करते साहित्य अकादमी के अध्यक्ष चंद्रशेखर कंबार • जागरण

हिंदी के लिए चित्रा मुद्गल, उर्दू के लिए रहमान अब्बास पंजाबी के लिए मोहनजीत पुरस्कृत

साहित्य अकादमी पुरस्कार 2018

नई दिल्ली, 29 जनवरी (नवोदय टाइम्स) : साहित्य अकादमी द्वारा आयोजित किए जा रहे साहित्योत्सव के दूसरे दिन कमानी सभागार में साहित्य अकादमी पुरस्कार -2018 के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। पुरस्कार अर्पण समारोह में प्रख्यात उड़िया लेखक व अकादमी सदस्य मनोज दास मुख्य अतिथि व प्रख्यात श्रीलंकाई लेखक सांतन अय्यातुरै समारोह के विशिष्ट अतिथि थे। अर्पण समारोह में अकादमी पुरस्कार विजेताओं को पुरस्कार साहित्य अकादमी के अध्यक्ष चंद्रशेखर कंबार द्वारा प्रदान किए गए। अकादमी सम्मान से नवाजे गए लेखकों में असमिया भाषा से सनन्त तांति, बांग्ला से संजीव चट्टोपाध्याय, बोडो से रितुराज बसुमतारी, डोगरी से इन्दरजीत केसर, गुजराती से शरीफा बिजलीवाला, हिंदी के लिए चित्रा मुद्गल, कन्नड़ से के.जी. नागराजप्प, कश्मीरी से मुश्ताक अहमद मुश्ताक, कोंकणी से परेश नरेंद्र कामत, मैथिली से वीणा ठाकुर, मलयालम से एम. रमेशन नायर, मणिपुरी से बुधिचंद्र हैस्नांबा, मराठी के लिए मधुकर सुदाम पाटिल, नेपाली से लोकनाथ उपाध्याय चापागाईं, पंजाबी भाषा में मोहनजीत सिंह, राजस्थानी में राजेश कुमार व्यास, संस्कृत से रमाकांत शुक्ल, संताली से श्याम बेसरा, सिंधी से खीमन यू. मूलाणी, तमिल से एस. रामकृष्णन, तेलगू से कोलकलूरि इनाक और उर्दू से रहमान अब्बास को अकादमी पुरस्कार 2018 से सम्मानित किया गया। समारोह में अंग्रेजी एवं ओड़िया के पुरस्कृत लेखक किसी कारणवश कार्यक्रम में उपस्थित नहीं हो सके। इस मौके पर साहित्य अकादमी अध्यक्ष चंद्रशेखर कंबार ने कहा कि साहित्य अकादमी पुरस्कारों ने जो प्रतिष्ठा प्राप्त की है वो हमारी परंपराओं के प्रति वो निष्ठा है जो हमने वर्षों के परिश्रम से हासिल की है।

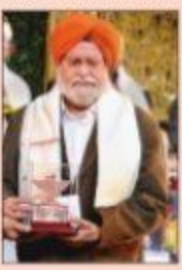

ऊपर पुरस्कार ग्रहण करतीं लेखिका चित्रा मुद्गल। नीचे बाएं– मोहनजीत सिंह और दाएं– रमाकांत शुक्ला।

एक अपराध बोध से उपजी है नाला सोपारा : चित्रा मुद्गल

हिंदी कृति पोस्ट बॉक्स नं-203 नाला सोपारा के लिए पुरस्कृत लेखिका चित्रा मुद्गल ने कहा कि मेरी पुरस्कृत कृति नाला सोपारा एक अपराध बोध से उपजी है। यह रचना ट्रांसजेंडर लोगों की पहचान से जुड़ी हुई है। कुछ रचनाकारों की कुछ कृतियां उनके अपराध-बोध की संतानें होती हैं। मैं यह उपन्यास लिख लेने के बाद उस अपराध-बोध से मुक्त नहीं हो पाई हूं, जिससे मुक्त की कामना में मुझसे यह उपन्यास लिखवाया।

हिन्दी के लिए चित्रा मुद्गल को किया पुरस्कृत

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) : साहित्य अकादमी के तत्वावधान में चल रहे साहित्योत्सव के दूसरे दिन साहित्य अकादमी पुरस्कार 2018 के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में प्रख्यात ओड़िया लेखक और साहित्य अकादमी के महत्तर सदस्य मनोज दास समारोह के मुख्य अतिथि थे तथा प्रख्यात श्रीलंकाई लेखक और साहित्य अकादमी के प्रेमचंद फेलोशिप से सम्मानित सांतन अय्यातुरै समारोह के विशिष्ट अतिथि रहे। ये पुरस्कार साहित्य अकादमी के अध्यक्ष चंद्रशेखर कंबार द्वारा प्रदान किए गए। हिन्दी के लिए वरिष्ठ कथा-लेखिका चित्रा मुद्गल, उर्दू के लिए रहमान अब्बास एवं ,पंजाबी के लिए मोहनजीत सिंह, मैथिली के लिए वीणा ठाकुर सहित 20 से ज्यादा लेखकों को पुरस्कार दिया गया। लेखिका चित्रा मुद्गल ने कहा कि मेरी पुरस्कृत कृति पोस्ट बॉक्स नं. 203, नाला सोपारा एक अपराध बोध से उपजी है। यह रचना ट्रांसजेंडर लोगों की पहचान से जुड़ी हुई है।